ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-06-2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-06-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-06-21	2023-06-22	2023-06-23	2023-06-24	2023-06-25
वर्षा (मिमी)	35.0	10.0	30.0	35.0	40.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	26.0	24.0	22.0	20.0
न्यूनतम तापमान(से.)	16.0	15.0	16.0	16.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	80	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	40	45	50	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	6	8	8	8
पवन दिशा (डिग्री)	70	90	130	70	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	4	7	7	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।

आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।

आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।

आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।

आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम

बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।

आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी

पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।
आने वाले पांच दिनों में 20-24 जून तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस तक हो सकता है। हवा चलेगी पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6.0-8.0 किमी/घंटा की गति के साथ। चेतावनी: हल्की से मध्यम बारिश कुमाऊं क्षेत्र में कई स्थानों पर 20 जून को देखि जा सकती हैं । 23 और 24 जून को पहाड़ी क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 21 और 22 जून, 2023 को पहाड़ियों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।

विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो

संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम

पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।
विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, अनुमानित प्रवृत्ति से पता चलता है कि नैनीताल जिले में सामान्य से 60% या उससे कम वर्षा हुई थी। मौसम विभाग द्वारा नैनीताल जिले के लिए मिश्रित एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो संकेत देता है की यह छेत्र माध्यम कृषि ऊर्जा जिला है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम का पता लगाने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें, बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।
उत्तराखंड की पहाड़ियों के अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तेज हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी की संभावना के बारे में अलर्ट जारी किया गया है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।
चावल	स्टेज : नर्सरी सिंचित स्थिति के तहत, घाटी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में महीने के दूसरे पखवाड़े में रोपाई का काम पूरा किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : मक्का की बुवाई निचले और मध्य पहाड़ी में पूरी की जानी चाहिए क्षेत्रों। खरपतवारों को बुवाई के 2-3 दिन बाद एट्राज़िन स्प्रे @ 50 डब्ल्यू.पी. का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान रखकर कोई भी कृषि सम्बंधित गतिविधियां करें ।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	माह के इस द्वितीय पखवाड़े में राजमा की बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	। मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।
आलू	स्टेज : तुड़ाई आलू की फसल को पछेती झुलसा से बचने के लिए मैनकोज़ेब या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के घोल से छिड़काव करना चाहिए ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
सेम की फली	चरण: तुड़ाई पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और श्यामवर्ण जो वर्षा के कारण हो सकती है, उसे नियंत्रित करने के लिए कार्बेंडाजिम 50% डब्ल्यू.पी. @ 1 ग्राम/लीटरका छिड़काव करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।
टमाटर	स्टेज : तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद बीमारी होने की संभावना इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दे (जब सिकुड़े हुए पत्ते दिखाई देते हैं) वायरल रोगों को नियंत्रित करने और सैप चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें । मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम / लीटर का झुलसा रोग रोकने के लिए प्रयोग करें ।यह सभी गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रख कर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
	किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।
गाय	टेटनस, एंटरोटॉक्सिमिया और रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया के खिलाफ जानवरों का टीकाकरण करें। अत्यधिक गर्मी से बचने हेतु छायादार पेड़ों का उपयोग करें । चारे की अपर्याप्तता से बचने के लिए किसानों को ऐसे समय के लिए चारा निकाल कररखना चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों की कमी से बचने के लिए चारे के साथ नमक मिश्रण की पर्याप्त मात्रा क्या होनी चाहिए।
भेंस	दो से चार महीने की उम्र के जानवरों को काले पैर / काले तिमाही (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए । भैंसों को गर्मी से बचने के लिए पानी में रखा जाना चाहिए ।